

श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमास्तुमहादेशिकाय नमः

श्रीमत्परमहंसस्वामिब्रह्मानन्द रिरचितं
॥ श्री हरिस्तोत्रम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री हरिस्तोत्रम् ॥

जगज्जालपालं कनककण्ठमालं
शरच्चन्द्रभालं महादैत्यकालम्।
नभोनीलकायं दुरारारमायं
सुपद्मासहायं भजेहहं भजेहहम् ॥ 1 ॥

सदाश्लोधिवासं गलंपुष्पहासं
जगत्सन्निरासं शतादित्यभासम्।
गदाचक्रशङ्खं लसत्पीतरञ्जं
हसत्चारुरङ्गं भजेहहं भजेहहम् ॥ 2 ॥

रमाकण्ठहारं श्रुतिब्रूतसारं
जलान्तुर्निहारं धराभारहारम्।
चिदानन्दरूपं मनोज्ञस्वरूपं
धृतानेकरूपं भजेहहं भजेहहम् ॥ 3 ॥

जर्राजन्महीनं परानन्दपीनं
समाधानलीनं सदैरानरीनम्।
जगज्जन्महेतुं सुरानीककेतुं
त्रिलोकैकसेतुं भजेहहं भजेहहम् ॥ 4 ॥

कृतान्नायगानं खगाधीशयानं
रिमुक्तेर्निदानं हरारातिमानम्।
श्वभक्तानुकूलं जगद्गुह्यमूलं
निरस्तार्थशूलं भजेहहं भजेहहम् ॥ 5 ॥

সমস্তামরেশং দ্বিরেফাভকেশং
জগদ্বিশ্বলেশং হৃদাকাশদেশম্।
সদা দির্যদেহং রিমুক্তাখিলেহং
সুরৈকুণ্ঠগেহং ভজেহহং ভজেহহম্ ॥ 6 ॥

সুরালীবলিষ্ঠং ত্রিলোকীররিষ্ঠং
গুরুণাং গরিষ্ঠং স্বরুপৈকনিষ্ঠম্।
সদা যুদ্ধধীরং মহারীররীরং
মহাশ্চোধিতীরং ভজেহহং ভজেহহম্ ॥ 7 ॥

রমারামভাগং তলানগ্রনাগং
কৃতাদীনযাগং গতারাগরাগম্।
মুনীন্দ্রেঃ সুগীতং সুরৈঃ সম্পরীতং
গুণৌঘৈরতীতং ভজেহহং ভজেহহম্ ॥ 8 ॥

ইদং যস্তু নিত্যং সমাধায় চিত্তং
পঠেদষ্টকং কণ্ঠহারং মুরারেঃ।
স রিষেগরিশোকং ধ্বংসং যাতি লোকং
জরাজন্মশোকং পুনর্বিন্দতে নো ॥ 9 ॥

॥ শ্রী হরিস্তোত্রং সমাপ্তম্ ॥